


9

तारीख हुक्म	न्यायालय उपखण्ड अधिकारी, झुंझुनू मुकदमा नम्बर : 118/2014 उत्तवान महावीर बनाम रामकरण वगैरह	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुक्म की तारीख में जारी
06.06.2018	<p>पत्रावली पेश हुई। पत्रावली का अवलोकन किया गया, पाया कि प्रार्थीगण को प्रार्थना-पत्र की बहस हेतु समुचित अवसर दिये जाने के उपरान्त भी बहस हेतु अवसर चाहा रहे हैं। जो न्यायहित में पूर्व में प्रदान अवसर दिये जाने के उपरान्त भी बहस नहीं करने पर न्यायालय मत पर दोनों पक्षों को ताः फ़ैसला दावा अस्थाई निषेधाज्ञा से पाबंद किया जाना न्यायोचित प्रतीत होता है। अतः प्रार्थी व अप्रार्थी को प्रार्थना-पत्र में वर्णित भूमि बाबत मौका व रिकार्ड की यथास्थिति बनाये रखने हेतु ताः फ़ैसला दावा हेतु पाबंद किया जाता है। पत्रावली फ़ैसल शुमार होकर दर्ज नम्बर से कम हो एवं बाद तकमील मूल वाद के संलग्न होकर दाखिल दफ्तर हो।</p> <p style="text-align: center;"> (अली विश्वाई) अधिकारी उपखण्ड अधिकारी, झुंझुनू</p>	